



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1573]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 28, 2015/श्रावण 6, 1937

No. 1573]

NEW DELHI, TUESDAY, JULY 28, 2015/SRAVANA 6, 1937

दिल्ली विकास प्राधिकरण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 2015

**का.आ. 2050(अ).**—दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 (1957 का 61) की धारा 57 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिल्ली विकास प्राधिकरण एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्:—

**यमुना नदी पुनरुद्धार एकीकृत केन्द्र (यू.सी.आर.आर.वाई.) (पुनरुद्धार एवं सौंदर्यीकरण)**

यमुना अपने बाढ़ क्षेत्र सहित रिज के साथ-साथ शहर का एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक स्रोत है। विभिन्न पारिस्थितिकीय कार्यों जैसे बाढ़ नियंत्रण, जैव वैविध्य हेतु पर्यावास, जल की गुणवत्ता में सुधार के अतिरिक्त यह क्षेत्र शहर के लोगों की सामाजिक-सांस्कृतिक भावनाओं की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। तथापि, विभिन्न मौजूदा असंवेदनशील मानवीय गतिविधियों के कारण वर्तमान में नदी की दुर्दशा हो रही है तथा यह क्षेत्र शहर के उलाव क्षेत्र से अधिक कुछ नहीं है। यमुना नदी का संरक्षण, सुरक्षा एवं पुनरुद्धार सुनिश्चित करने के लिए और नदी, इसके बाढ़ के मैदानों एवं इसके जल संभर में/उन पर/उनके साथ-साथ आवश्यक विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण दिल्ली विकास अधिनियम की धारा 5 क के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा यमुना नदी पुनरुद्धार एकीकृत केंद्र (यू.सी.आर.आर.वाई.) (पुनरुद्धार एवं सौंदर्यीकरण) की स्थापना करता है।

ये विनियम सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशन की तिथि से तत्काल लागू होंगे।

**परिभाषाएँ**

इन विनियमों में जब तक कि संदर्भ अथवा अर्थ के विषय में कुछ भी असंगत न हो:—

- “अधिनियम” से अभिप्राय दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 (1957 का 61) से है।
- “प्राधिकरण” से अभिप्राय उस अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत गठित दिल्ली विकास प्राधिकरण से है।
- यमुना नदी पुनरुद्धार एकीकृत केंद्र (पुनरुद्धार एवं सौंदर्यीकरण) यू.सी.आर.आर.वाई. से अभिप्राय इस अधिनियम की धारा 5क के अंतर्गत प्राधिकरण द्वारा गठित समिति से है।
- “सदस्यों” से अभिप्राय यमुना नदी पुनरुद्धार एकीकृत केंद्र (यू.सी.आर.आर.वाई.) (पुनरुद्धार एवं सौंदर्यीकरण) के सदस्यों से है।

## यमुना नदी पुनरुद्धार एकीकृत केन्द्र (यू.सी.आर.आर.वाई.) (पुनरुद्धार एवं सौंदर्यीकरण) हेतु उपविधि

### 01. नाम

इस केन्द्र का नाम “यमुना नदी पुनरुद्धार एकीकृत केंद्र” (यू.सी.आर.आर.वाई.) (पुनरुद्धार एवं सौंदर्यीकरण) होगा ।

### 02. कार्यालय

इस केन्द्र (यू.सी.आर.आर.वाई.) का कार्यालय विकास मीनार, दि.वि.प्रा. कार्यालय, नई दिल्ली में स्थित होगा ।

### 03. लक्ष्य एवं उद्देश्य

इस केन्द्र का उद्देश्य रा.रा.क्षेत्र दिल्ली में सतत कार्यो द्वारा यमुना नदी का संरक्षण सुरक्षा एवं पुनरुद्धार सुनिश्चित करना और नदी, इसके बाढ़ क्षेत्रों, एवं जल संभरों में/उन पर/उनके साथ-साथ आवश्यक विकास गतिविधियों को बढ़ावा देना एवं सुनिश्चित करना मात्र है ।

यू.सी.आर.आर.वाई. के उद्देश्य निम्नलिखित होंगे:-

i. बाढ़ क्षेत्रों एवं जल संभरों के बारे में ऐसी नीतियाँ, मानक, दिषा-निर्देश बनाना और ऐसी परियोजनाएं प्रारंभ करना जिनका लक्ष्य:-

क. नदी की पारिस्थितिकी एवं इसके कार्यो जैसे बाढ़ नियंत्रण, पर्यावास सुरक्षा, भू-जल पुनर्भरण इत्यादि का पुनरुद्धार, सुरक्षा एवं संरक्षण करना हो ।

ख. विभिन्न प्रकार की नम भूमियों वाले बाढ़ के मैदान विकसित करना और पुनरुद्धार करना, जलाशयों की गाद की सुरक्षा, भू-जल पुनर्भरण, जल का शुद्धिकरण इत्यादि के अलावा जलीय जीवों एवं जलीय संसाधनों की सुरक्षा करना हो ।

ग. नदी तक लोगों की पहुँच सुगम बनाते समय मनोरंजनात्मक एवं सांस्कृतिक सुविधाएं उपलब्ध करना हो ।

घ. विकास के दुष्प्रभावों से बाढ़ क्षेत्रों की पारिस्थितिकी प्रणाली की सुरक्षा करना हो ।

ड. पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा देना हो ।

ii. जल वृद्धि के पूरक कार्य करना एवं बढ़ावा देना और सहायक नालों के साथ-साथ नदी जल को स्वच्छ करना ।

iii. नदी और इसके जल संभरों से संबंधित विभिन्न विकास परियोजनाओं के पर्यावरणीय एवं अवसंरचनात्मक पहलुओं में समन्वय करना ।

iv. योजनाओं/डाटा/सूचना/अंकीकरण को साझा करने के लिए भंडार के रूप में कार्य करना एवं वेबसाइट बनाना ।

v. पर्यावरण जागरूकता एवं प्रकृति के संरक्षण पर शिक्षा को बढ़ावा देना ।

vi. बाढ़ क्षेत्रों के पारिस्थितिकीय महत्व पर परियोजनाओं के प्रभाव का मूल्यांकन करना ।

vii. मूल्यांकन-जल सहभागिता-प्रतिपृच्छा (फीडबैक) ।

viii. समन्वय, क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण सहित केन्द्र द्वारा यथा उपयुक्त संबंधित अन्य गतिविधियाँ प्रारंभ करना ।

04. केन्द्र (यू.सी.आर.आर.वाई.) का गठन केन्द्र (यू.सी.आर.आर.वाई.) के शासी निकाय में निम्नलिखित सदस्य होंगे:-

(i)	माननीय उपराज्यपाल, दिल्ली	अध्यक्ष
(ii)	माननीय सांसद, लोकसभा (चांदनी चौक, दिल्ली)	सदस्य
(iii)	माननीय सांसद, लोकसभा (दक्षिणी दिल्ली)	सदस्य
(iv)	माननीय सांसद, लोकसभा (उत्तर-पूर्वी दिल्ली)	सदस्य
(v)	मुख्य सचिव, दिल्ली	उपाध्यक्ष
(vi)	उपाध्यक्ष, दि.वि.प्रा.	उपाध्यक्ष
(vii)	प्रधान सचिव (सिंचाई), उत्तर प्रदेश सरकार	सदस्य
(viii)	सचिव, लो.नि.वि.	सदस्य
(ix)	आयुक्त, उत्तरी दिल्ली नगर निगम	सदस्य
(x)	आयुक्त, पूर्व-दि.न.नि.	सदस्य

(xi) आयुक्त, दक्षिण—दि.न.नि.	सदस्य
(xii) मुख्य कार्यकारी अधिकारी, दिल्ली जल बोर्ड	सदस्य
(xiii) सचिव, पर्यावरण विभाग	सदस्य
(xiv) सचिव, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण	सदस्य
(xv) प्रबंध निदेशक, दिल्ली मेट्रो रेल कार्पोरेशन	सदस्य
(xvi) प्रबंध निदेशक, डी टी टी डी सी	सदस्य
(xvii) शहरी विकास मंत्रालय के प्रतिनिधि	सदस्य
(xviii) पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के प्रतिनिधि	सदस्य
(xix) जल संसाधन मंत्रालय के प्रतिनिधि	सदस्य
(xx) सी.जी.डब्ल्यू.बी. के प्रतिनिधि	सदस्य
(xxi) सचिव, दिल्ली नगर कला आयोग	सदस्य
(xxii) अभियंता सदस्य, दि.वि.प्रा.	सदस्य
(xxiii) वित्त सदस्य, दि.वि.प्रा.	सदस्य
(xxiv) प्रधान आयुक्त (भूमि प्रबंधन), दि.वि.प्रा.	सदस्य
(xxv) आयुक्त (योजना), दि.वि.प्रा.	सदस्य
(xxvi) अपर आयुक्त (भूदृश्यांकन), दि.वि.प्रा.	सदस्य
(xxvii) निदेशक (भूदृश्यांकन)	सदस्य सचिव

शासी निकाय, जल प्रबंधन ठोस अपशिष्ट प्रबंधन/पर्यावरणीय अभियांत्रिकी, पर्यावरणीय योजना, पर्यावरणीय प्रभाव आकलन, पारिस्थितिकी, वनस्पति विज्ञान, जैव-वैविध्य, जल विज्ञान, भूदृश्यांकन वास्तुकला, वास्तुकला, प्राणी विज्ञान आदि के क्षेत्र में एसपीए, आईआईटी-दिल्ली, गैर सरकारी संगठनों और ऐसे ही अन्य संस्थानों से विशेषज्ञों को सहयोजित कर सकता है ।

शासी निकाय की बैठक साधारणतया प्रत्येक तीन माह में होगी ।

## 05. केन्द्र के कार्य (यूसीआरआरवाई)

खण्ड 03 में दिए गए लक्ष्यों एवं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए केन्द्र (यूसीआरआरवाई) निम्नलिखित कार्य करेगा :-

### 1. अनुसंधान

(क) संबंधित एजेंसियों से समय-समय पर संबद्ध आँकड़े इकट्ठे करना और भविष्य के सभी अध्ययनों और अनुसंधानों के लिए डाटाबेस तैयार करना ।

(ख) नदी और इसके बाढ़ के मैदानों के पुनरुत्थान और विकास के विभिन्न तथ्यों अर्थात् जल विज्ञान, पर्यावरणीय प्रदूषण, जैव-वैविध्य, पारिस्थितिकी, जल का उपयोग और पुनः उपयोग, नदी और नदी मुहाने का धारणीय उपयोग आदि का अध्ययन करना और इसका विश्लेषण करना ताकि महत्वपूर्ण मामलों की पहचान की जा सके और इन्हें नीति गठन (पॉलिसी फ्रेम वर्क) में शामिल किया जा सके ।

(ग) नदी और इसके बाढ़ के मैदानों के संरक्षण, सुरक्षा और इसके नवीकरण तथा विकास के संबंध में संबंधित विभिन्न एजेंसियों जैसे दिल्ली जल बोर्ड, कृषि एवं बाढ़ नियंत्रण, डीटीटीडीसी, सीजीडब्ल्यूबी, दिल्ली मेट्रो रेल कार्पोरेशन, लोक निर्माण विभाग, वन विभाग द्वारा किए गए कार्यों का अध्ययन करना ।

(घ) नदी और इसके बाढ़ के मैदानों के पुनरुत्थान और विकास के लिए शामिल उत्तम पद्धति का अध्ययन करना ।

### (ii) नीति और अपेक्षित योजनाएं तैयार करना

(क) निम्नलिखित तथ्यों अर्थात् जल कोटि और मात्रा, जैव-वैविध्य, बाढ़, जल उपयोग एवं पुनः उपयोग, परिवहन और नौ-संचालन, भूजल पुनर्भरण, नदी मुहाने के विकास अथवा अन्य संबंधित एजेंसियों से प्राप्त फीडबैक और सार्वजनिक भागीदारी पर आधारित, नदी और इसके बाढ़ के मैदानों के पुनरुत्थान और विकास से संबंधित किसी अन्य मामले पर विचार करने (और इसके आवधिक संशोधन करने) के लिए एक परिप्रेक्ष्य वर्ष हेतु एकीकृत नीतियों का गठन करना एवं एक एकीकृत योजना तैयार करना ।

(ख) योजना में, संपूर्ण वॉटरशेड/बेसिन से संबंधित सभी मामलों पर विचार किया जाएगा और इसके लिए नीतियां तैयार की जाएंगी ।

(ग) शासी विकास द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार स्वयं केन्द्र द्वारा अथवा विभिन्न एजेंसियों द्वारा पूरी की जाने वाली परियोजनाओं में दिए गए एकीकृत प्लान पर आधारित एक्शन प्लान तैयार करना ।

## (ii) कार्यान्वयन

(क) केन्द्र द्वारा तैयार की गई नीतियों/योजनाओं का कार्यान्वयन/निष्पादन करना ।

(ख) पूर्व-निर्धारित पैरामीटरों पर आधारित विभिन्न एजेंसियों द्वारा बनाई गई परियोजनाओं हेतु समीक्षा करना और सुझाव देना ।

(ग) विभिन्न एजेंसियों के साथ कार्य एवं समन्वय करना ताकि उनकी परियोजनाओं को कार्यान्वित किया जा सके ।

(घ) योजना और कार्यान्वयन के लिए अंतर्क्षेत्रीय समन्वय ।

(ङ) विभिन्न स्टेकहोल्डरों के बीच विवादों अथवा किसी परस्पर विरोधी कार्य के समाधान को सरल बनाना ।

## (iv) निगरानी

केन्द्र द्वारा किए जाने वाले कार्य की आवधिक निगरानी करना एवं अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित करना और यदि अपेक्षित हो तो उन्हें आवश्यक कार्रवाई करने के लिए सलाह देना ।

## (v) विविध

(क) कोई अन्य मामला, जो केन्द्र के उद्देश्यों को पूरा करता हो ।

(ख) प्राधिकरण, केन्द्र को स्टाफ की तकनीकी सहायता और सचिवालयी सहायता प्रदान करेगा ।

## 06. केन्द्र (यूसीआरआरवाई) की बैठकें

केन्द्र (यूसीआरआरवाई) की बैठकें जब और जैसे अपेक्षित होंगी, आयोजित की जाएंगी । केन्द्र (यूसीआरआरवाई) के पास अपनी प्रक्रिया को नियंत्रित करने की शक्ति है । सदस्य सचिव बैठकों का रिकॉर्ड रखेंगे और अपेक्षित अनुवर्ती कार्रवाई करेंगे ।

## 07. केन्द्र (यूसीआरआरवाई) के अध्यक्ष की शक्तियाँ

अध्यक्ष के पास संबंधितों को आवश्यक कदम उठाने के लिए निर्देश देने की शक्तियाँ होंगी, जिन्हें वह इन विनियमों के फ्रेमवर्क के अंदर उपयुक्त माने ।

## 08. केन्द्र (यूसीआरआरवाई) के सह अध्यक्ष की शक्तियाँ

सह अध्यक्ष, अध्यक्ष के साथ मिलकर कार्य करेंगे और केन्द्र के सामान्य कार्यों को देखेंगे ।

## 09. केन्द्र के सदस्य-सचिव की शक्तियाँ

सदस्य सचिव केन्द्र की कार्यप्रणाली से संबंधित सभी प्रशासनिक कार्यों का निष्पादन करेगा ।

## 10. समितियों का गठन

### i. कार्यकारी समिति एवं समूह:

केन्द्र (यूसीआरआरवाई) के निर्बाध दैनिक कार्यों के लिए एक कार्यकारी समिति होगी, जिसमें निम्नलिखित शामिल होंगे :

क. उपाध्यक्ष, दि.वि.प्रा.	अध्यक्ष
ख. वित्त सदस्य, दि.वि.प्रा.	सदस्य
ग. अभियंता सदस्य, दि.वि.प्रा.	सदस्य
घ. आयुक्त (योजना), दि.वि.प्रा.	सदस्य
ड. आयुक्त (भूमि प्रबंधन), दि.वि.प्रा.	सदस्य
च. अपर आयुक्त (भू-दृष्य), दि.वि.प्रा.	सदस्य
छ. निदेशक, उद्यान, दि.वि.प्रा.	सदस्य
ज. निदेशक (भू-दृष्य)	सदस्य-सचिव

कार्यकारी समिति उन शक्तियों का प्रयोग करेगी जो उसे केन्द्र (यूसीआरआरवाई) द्वारा प्रदत्त की जाएंगी ।

ii. केन्द्र दैनिक कार्यों के लिए अभियंता सदस्य, दि.वि.प्रा. की अध्यक्षता में कार्यरत समूहों का गठन कर सकता है जो भू-दृष्य वास्तुकार, जल-वैज्ञानिक (हाइड्रोलॉजिस्ट), पारिस्थिति विज्ञानी/वनस्पतिशास्त्री/जीवविज्ञानी/प्राणिविज्ञानी, पर्यावरण

अभियंताओं, पर्यावरण योजनाकार, भू-आकृति विज्ञानी, संरक्षण/विरासत विशेषज्ञ, शहरी डिजाइनर एवं वास्तुकार जैसे परामर्षदाताओं की नियुक्ति कर सकते हैं ।

iii. इसके अतिरिक्त केन्द्र किसी अन्य समिति का गठन कर सकता है, जिसे वह उन विषिष्ट परियोजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित कार्यों के निरीक्षण एवं निष्पादन के लिए आवश्यक समझता हो, जिन्हें यू.सी.आर.आर.वाई. द्वारा समय-समय पर शुरू किया गया हो ।

## 11. बजट, वित्त एवं लेखा

i. केन्द्र (यू.सी.आर.आर.वाई.) के गठन और इसकी प्रचालन संबंधी गतिविधियों के लिए व्यय का प्रबंध दिल्ली विकास प्राधिकरण, भारत सरकार रा.रा.क्षे.दिल्ली सरकार/स्थानीय निकायों द्वारा दिए गए अनुदानों एवं ऋणों तथा दान आदि द्वारा किया जाएगा ।

ii. केन्द्र (यू.सी.आर.आर.वाई.) के संबंध में संशोधित एवं बजट अनुमान अनुमोदन हेतु प्राधिकरण के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे ।

iii. केन्द्र के लिए वित्तपोषण एवं प्रक्रिया निधि की पद्धतियाँ प्राधिकरण द्वारा निर्धारित की जाएंगी । केन्द्र (यू.सी.आर.आर.वाई.) से संबंधित विभिन्न प्राप्तियों एवं भुगतान को रिकॉर्ड करने के लिए एक अलग बैंक खाता खोला जाएगा ।

iv. केन्द्र (यू.सी.आर.आर.वाई.) समुचित खातों एवं अन्य संबद्ध रिकॉर्डों का रख-रखाव करेगा और प्राधिकरण द्वारा निर्धारित रूप में तुलन-पत्र सहित लेखों का वार्षिक विवरण तैयार करेगा ।

## 12. खातों का प्रचालन

केन्द्र द्वारा प्राधिकृत अधिकारी केन्द्र (यू.सी.आर.आर.वाई.) के खाते का प्रचालन करेगा ।

## 13. व्यय वहन करने की शक्तियाँ

केन्द्र (यू.सी.आर.आर.वाई.) को समय-समय पर ऐसे व्यय संस्वीकृत करने की शक्ति है, जिन्हें वह केन्द्र (यू.सी.आर.आर.वाई.) के लक्ष्यों एवं उद्देश्यों के संवर्धन एवं उपलब्धि के लिए आवश्यक समझे ।

## 14. कर्मचारियों को नियुक्त करने की शक्तियाँ

केन्द्र (यू.सी.आर.आर.वाई.) में तैनात सभी लिपिकवर्गीय कर्मचारियों एवं लेखा कर्मचारियों को दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 के अनुसार भर्ती किया जाएगा ।

## 15. लेखा परीक्षा

केन्द्र (यू.सी.आर.आर.वाई.) के लेखों की लेखा परीक्षा दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 के प्रावधानों के अनुसार की जाएगी ।

## 16. बैठकों में उपस्थित होने के लिए मानदेय

गैर-सरकारी सदस्यों को केन्द्र (यू.सी.आर.आर.वाई.) की बैठक में उपस्थित होने के लिए समय-समय पर यथा-निर्धारित मानदेय दिया जाएगा ।

## 17. विवाद

किसी भी तरह के विवाद के मामले में उपराज्यपाल, दिल्ली जो केन्द्र (यू.सी.आर. आर.वाई.) के अध्यक्ष हैं, के निर्णय अंतिम होंगे ।

## 18. कानूनी कार्यवाही

केन्द्र (यू.सी.आर.आर.वाई.) के विरुद्ध कोई भी वाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली के बाहर किसी न्यायालय में दायर नहीं किया जाएगा ।

## 19. दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 का लागू होना

दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 के समय-समय पर यथासंशोधित प्रावधान लागू होंगे ।

## 20. निरसन एवं बचाव

इन विनियमों के आरंभ होने की तिथि को और इस तिथि से, केन्द्र (यू.सी.आर.आर.वाई.) तदनुसार कार्य करेगा, बशर्ते कि केन्द्र (यू.सी.आर.आर.वाई.) के लिए और उसके द्वारा पहले की गई कार्यवाई प्रभावी नहीं होगी ।

[सं. पीए/निदे.(एल एस)/डीडीए/2015/12]

डी. सरकार, आयुक्त एवं सचिव

**DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY****NOTIFICATION**

New Delhi, the 28th July, 2015

**S.O. 2050(E).**—In exercise of the powers conferred by section 57 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957) the Delhi Development Authority hereby makes the following regulations, namely:-

**UNIFIED CENTRE FOR REJUVENATION OF RIVER YAMUNA (UCRRY) (RESTORATION AND BEAUTIFICATION)**

The Yamuna along with its floodplain is a vital natural resource of the City together with the Ridge. Other than various ecological functions, such as flood control, habitat for biodiversity, water quality improvement, this area is significant for the socio-cultural sentiments of the people of the city. However, the river at present is in a state of plight because of various existing insensitive anthropogenic activities and the stretch is nothing more than a dirty backyard to the city. In order to ensure conservation, protection and rejuvenation of river Yamuna and to promote and secure the requisite development activities in/on/along the river, its floodplains, and its watershed, the DDA in exercise of powers conferred under Section 5A of the Delhi Development Act does hereby set up Unified Centre for Rejuvenation of River Yamuna (UCRRY) (restoration & beautification).

These regulations shall come into force immediately from the date of their publication in the Official Gazette.

**DEFINITIONS**

In these Regulations unless there is anything inconsistent with the context or meaning:-

- “Act” means the Delhi Development Act 1957 (61 of 1957).
- “Authority” means the Delhi Development Authority constituted under section 3 of the Act.
- "Unified Centre for Rejuvenation of River Yamuna (Restoration & Beautification)" as UCRRY means the committee constituted by the Authority under section 5 A of the Act.
- "Members" shall mean the members of the Unified Centre for Rejuvenation of River Yamuna (UCRRY) (Restoration & Beautification)

**BYE-LAWS FOR THE UNIFIED CENTRE FOR REJUVENATION OF RIVER YAMUNA (UCRRY) (RESTORATION & BEAUTIFICATION)****01. Name**

The name of the Centre shall be “Unified Centre for Rejuvenation of River Yamuna (UCRRY) (Restoration & Beautification)

**02. Office**

The office of the Centre (UCRRY) shall be located in Vikas Minar, DDA office, New Delhi.

**03. Aims and Objectives**

The aim of the Centre is to ensure conservation, protection and rejuvenation of river Yamuna and to promote and secure the requisite development activities in/on/along the river, its floodplains, and its watershed, within the NCT, Delhi by use of sustainable practices only.

The objectives of the UCRRY shall be-

- i. To formulate such policies, norms, guidelines and undertake such projects on the floodplains and its watershed which aim :
  - a. To restore, protect and conserve the riverine ecosystem and its functions such as flood control, habitat protection, ground water recharge, etc.
  - b. To develop and rejuvenate floodplains with mosaic of wetlands, preserving aquatic life and aquatic resources besides preservation of siltation of reservoirs, recharging of ground water, water purification etc.
  - c. To provide recreational and cultural facilities while making the river physically and visually accessible to the people.

- d. To protect the floodplain ecosystem from adverse effects of development.
- e. To promote eco-tourism.
- ii. To promote and complement practices of augmentation of water and cleaning of water of the river as well as feeder drains.
- iii. To coordinate environmental and infrastructure aspects of various development projects related to the river and its watershed.
- iv. To act as a repository for sharing of plans/database/information/digitization and website development.
- v. To promote education on environmental awareness and nature conservation.
- vi. To evaluate the impact of the projects on the ecological value of the floodplains.
- vii. Evaluation - Public Participation – Feedback.
- viii. To take up other related activities as may be considered appropriate by the Centre including co-ordination, capacity building and training.

#### 04. Constitution of the Centre (UCRRY)

The Governing Body of the Centre (UCRRY) shall comprise the following members:

(i).	Hon'ble L.G., Delhi	-	Chairman
(ii).	Hon'ble MP, Lok Sabha (Chandni Chowk, Delhi)	-	Member
(iii).	Hon'ble MP, Lok Sabha (South Delhi)	-	Member
(iv).	Hon'ble MP, Lok Sabha (North East Delhi)	-	Member
(v).	Chief Secretary, Delhi,	-	Vice-Chairman
(vi).	Vice Chairman, DDA	-	Vice-Chairman
(vii).	Pr. Secy. (Irrigation) Govt. of UP	-	Member
(viii).	Secretary, PWD	-	Member
(ix).	Commissioner, North-MCD	-	Member
(x).	Commissioner, East- MCD	-	Member
(xi).	Commissioner, South-MCD	-	Member
(xii).	CEO, DJB.	-	Member
(xiii).	Secretary, Environment Dept.	-	Member
(xiv).	Secretary I&FC	-	Member
(xv).	M.D., DMRC	-	Member
(xvi).	M.D. DTTDC	-	Member
(xvii).	Representative of MoUD	-	Member
(xviii).	Representative of MoEF	-	Member
(xix).	Representative of MoWR	-	Member
(xx).	Representative of CGWB	-	Member
(xxi).	Secretary, DUAC	-	Member
(xxii).	Engineer Member, DDA	-	Member
(xxiii).	Finance Member, DDA	-	Member
(xxiv).	PC (LM), DDA	-	Member
(xxv).	Commissioner Plg, DDA	-	Member
(xxvi).	Addl. Commissioner (LS), DDA	-	Member
(xxvii).	Director (LS)	-	Member Secretary

The Governing Body can co-opt experts from other organizations like SPA, IIT- Delhi, NGOs and other such institutions in the field of Water Management, Solid Waste Management/Environmental Engineering, Environmental Planning, Environmental Impact Assessment, Ecology, Botany, Biodiversity, Hydrology, Landscape Architecture, Architecture, Zoology etc.

The meeting of the Governing Body shall be normally held every three months.

**05. Functions of the Centre (UCRRY)**

In view of Aims and Objectives defined in clause 03 the Centre (UCRRY) shall perform the following functions:-

**i. Research**

- a. To collect relevant data from time-to-time from concerned agencies and create a database for all future studies and research.
- b. To study and analyze the different aspects of the revival and development of the river and its floodplains, viz. hydrology, environmental pollution, biodiversity, ecology, water use and reuse, sustainable use of the river and the river front, etc. to identify critical issues and feed into the policy framework.
- c. To study the works undertaken by various concerned agencies pertaining to conservation, protection and rejuvenation of River and the floodplains and development of the same such as DJB, I&FC, DTTDC, CGWB, DMRC, PWD, Forest Department, etc.
- d. To study the best practices involved for revival and development of the river and its floodplains.

**ii. Formulation of policy and required plans**

- a. To develop a integrated policies and prepare an integrated plan for a perspective year (and revise it periodically) addressing the following aspects - water quality and quantity, biodiversity, flood, water use and reuse, transportation and navigation, ground water recharge, riverfront development, or any other matter pertaining to revival and development of the River and its floodplains - based on feedback received from concerned agencies and based on public participation.
- b. The plan should address the related issues in the entire watershed/basin and prepare policies for the same.
- c. To prepare an Action Plan based on the Integrated Plan detailing out the projects to be taken by the Centre itself or by various agencies as directed by the Governing Body, along with its time frame.

**iii. Implementation**

- a. To implement/execute the policies/plan prepared by the Centre.
- b. To review and give suggestions to the projects made by various agencies based on pre-defined parameters.
- c. To follow up with and coordinate various agencies to implement their project.
- d. Inter-sectoral coordination for planning and implementation.
- e. Facilitate resolution of disputes or any contradictory works among different stakeholders

**iv. Monitoring -**

To periodically monitor the works undertaken by Centre itself, and coordinate with other agencies and guide the same in taking requisite actions if so required.

**v. Miscellaneous Aspects**

- a. Any other matter, which it may decide to meet the Object of the Centre.
- b. The Technical Support of Staff and secretarial assistance to this Centre shall be provided by the Authority.

**06. Meetings of the Centre (UCRRY)**

The meetings of the Centre (UCRRY) shall be held as and when required. The Centre (UCRRY) shall have the powers to regulate its own procedure. The Member – Secretary shall keep the records of the meetings and take the required follow up actions.

**07. Powers of the Chairman of the Centre (UCRRY)**

The Chairman shall have all the powers to direct the concerned to take necessary steps as he may deem fit within the framework of these regulations.

**08. Powers of the Co Chairman of the Centre (UCRRY)**

The Co-Chairman shall work in Coordination with the Chairman and oversee the general functions of the Centre.



**09. Powers of the Member – Secretary of the Centre**

The Member Secretary shall perform all the administrative duties connected with the functioning of the Centre.

**10. Constitution of the Committees****i. Executive Committee and Groups:**

For smooth day to day functioning of Centre (UCRRY) there shall be an Executive Committee comprising of the following:

a. Vice Chairman, DDA	-	Chairman
b. Finance Member, DDA	-	Member
c. Engineer member, DDA	-	Member
d. Commissioner (Plg), DDA	-	Member
e. Commissioner (LM), DDA	-	Member
f. Addl. Commissioner. (LS) DDA	-	Member
g. Director Horticulture, DDA	-	Member
h. Director (LS)	-	Member Secretary

The Executive Committee will exercise such powers may be delegated to it by the Centre (UCRRY).

- ii. The Centre may constitute working groups for day to day work under the chairmanship of Engineer Member, DDA which can appoint consultants such as Landscape Architects, Hydrologist, Ecologist/Botanist /Biologist/ Zoologist, Environmental Engineers, Environmental Planner, Geo-morphologist, Conservation/Heritage Expert, Urban Designer and Architects.
- iii. The Centre may in addition, constitute any other committee as it may consider necessary to oversee and perform functions pertaining to implementation of specific projects that may be undertaken by the UCRRY from time to time.

**11. Budget, Finance & Accounts**

- i. The expenses for setting up of the Centre (UCRRY) and its operational activities shall be met by the Delhi Development Authority, Grants and Loans given by Govt. of India, GNCTD/Local Bodies and donations etc.
- ii. The revised and budget estimates in respect of the Centre (UCRRY) shall be placed before the Authority for its approval.
- iii. The modalities of financing and processing funds for the centre will be prescribed by the Authority. A Separate Bank Account shall be opened to record various receipts and payments relating to the Centre (UCRRY).
- iv. The Centre (UCRRY) shall maintain proper accounts and other relevant records and prepare annual statement of accounts including the balance sheet in such form as the Authority may prescribe.

**12. Operation of Accounts**

The Account of the Centre (UCRRY) shall be operated by an officer so authorized by the Centre.

**13. Powers to Incur Expenses**

The Centre (UCRRY) shall have the power to sanction such expenses from time to time as it considers necessary for the prootion and achieving of the aims and objectives of the Centre (UCRRY).

**14. Powers for Engagement of Staff**

All Ministerial Staff and Accounts Staff will be posted in the Centre (UCRRY) shall be inducted as per the Delhi Development Act, 1957.

**15. Audit**

The audit of Accounts of the Centre, UCRRY shall be conducted as provided under the provisions of the Delhi Development Act, 1957.

**16. Honorarium for Attending Meetings**

The non –official members will be given an honorarium as may be decided from time to time for attending the meeting of the Centre (UCRRY).

**17. Disputes**

The decisions of the Lt. Governor, Delhi who is the Chairman of the Centre (UCRRY) on any dispute shall be final

**18. Legal Proceedings**

No suit against the Centre (UCRRY) shall lie in any Court outside the NCT, Delhi.

**19. Applicability of Delhi Development Act, 1957**

The provision of the Delhi Development Authority Act, 1957 as amended from time to time will apply.

**20. Repeal and Saving**

On and from the date of commencement of these Regulations, the Centre (UCRRY) shall act accordingly, provided that the actions already taken for and by the Centre (UCRRY) shall not be affected.

[No. PA/Dir. (LS)/DDA/2015/12]

D. SARKAR, Commr.-cum-Secy.